Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Human Resource Development

श्री उदय प्रताप सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं युवक कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2005-2006) के संबंध में विभाग-सम्बन्धित मानव संसाधन विकास सम्बन्धी संसदीय स्थायी समिति के 163वें प्रतिवेदन की एक प्रति (अंग्रेजी तथा हिन्दी में) प्रस्तुत करता हूं।

Recommendations of the Business Advisory Committee

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have to inform the House that the Business Advisory Committee in its meeting held on Thursday, the 5th May, 2005, allocated time as follows for the Government Legislative and other Business:—

Sl. No.	Business	Time allotted
1	Consideration and passing of the following Bills:	
	The University of Allahabad Bill, 2004.	one-and-a
	The Private Security Agencies (Regulation) Bill, 2005.	half-hour 3 hours
	The Credit Information Companies (Regulation) Bill, 2004	2 hours
	The Weapons of Mass Destruction and their Delivery Systems (Prohibition of Unlawful Activities) Bill, 2005	2 housr 2 hours
2	Consideration and passing of the following Bills, after they have been passed by Lok Sabha:	
	The Prevention of Money Laundering (Amendment) Bill, 2005	2 hours
	The Right to Information Bill, 2004.	4 hours
	The Bihar VAT Bill, 2005.	1 hour

Statement regarding Government Business

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SURESH PACHOURI): Sir, I beg to announce that the Government Business in this House for the week commencing 9th May, 2005 will consist of:—

1. Consideration of any item of Government Business carried over from today's Order Paper.

2. Consideration and passing of:

   a. The Credit Information Companies (Regulation) Bill, 2004.

b. The Private Security Agencies (Regulation) Bill, 2005.

c. The Weapons of Mass Destruction and their Delivery Systems (Prohibition of Unlawful Activities) Bill, 2005.

3. Consideration and passing of the following Bills, after they have been passed by Lok Sabha:

a. The Prevention of Money-Laundering (Amendment) Bill, 2005.

b. The Right to information Bill, 2004.

c. The Bihar VAT Bill, 2005.

GOVERNMENT BILL

The University of Allahabad Bill, 2004 (Contd.)

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश): धन्यवाद, उपसभापति महोदय। मैं मानव संसाधन मंत्री माननीय अर्जुन सिंह जी को बधाई देना चाहता हूं क्योंकि इलाहाबाद यूनिवर्सिटी को केन्द्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाए यह एक बहुत लंबी, प्रतीक्षित मांग थी। इस मांग को इस सदन में और बगल के सदन में कई माननीय सदस्यों ने उठाया है जोकि बड़े-बड़े ओहदों पर चले गए। वे कई बार मंत्री बने, मानव संसाधन मंत्री भी बने और कई राज्यों के राज्यपाल बने। माननीय टी॰एन॰ चतुर्वेदी जी, माननीय मुरली मनोहर जोशी जी, सत्य प्रकाश मालवीय जी और इस तरह के कई नाम हैं। महोदय आज मैं उन लोगों को इसलिए स्मरण कर रहा हूं क्योंकि इस लक्ष्य को हासिल करने में उन लोगों का बहुत बड़ा योगदान था।

उपसभापति महोदय, इलाहाबाद का अपना एक गौरव है, लेकिन यह गौरव किसी शहर को विश्वविद्यालय से नहीं मिला करता। यह गौरव वहां का भूगोल और सब कुछ मिलकर दिया करता है। हवा, पानी, नदी और पहाड़ दिया करते हैं और इस गौरव के तहत इलाहाबाद की नदियां जो आपस में मिलती हैं, इलाहाबाद के लोगों और इलाहाबाद के मार्फत देश के लोगों को आपस में मिलकर चलना सिखाती हैं। महोदय, गंगा का पानी बहुत कम होता है और जमुना का पानी बहुत ज्यादा होता है, लेकिन जब दोनों मिलती हैं तो जमुना के पानी का पता नहीं चलता, केवल गंगा का पानी ही दिखायी देता है। एक किलोमीटर दूर से जमुना दिखायी नहीं पड़ती। ऐसी समर्पण की भावना इलाहाबाद में होती थी और उस समर्पण में एक टकराव भी होता था। जहां गंगा और जमुना का टकराव हुआ, उसी इलाहाबाद में एक तरफ स्वराज भवन में गांधी जी का चरखा चलता था और दूसरी तरफ कंपनी बाग में चन्द्रशेखर आजाद के पिस्तौल से गोली निकलती थी, लेकिन यह टकराव एक ही मकसद के लिए होता था इलाहाबाद के लोगों को साहित्य, स्वतंत्रता संग्राम में और हर तरह से आगे बढ़ाने में इलाहाबाद की मिट्टी, वहां के हवा, पानी, वहां की नदियों का योगदान था और इलाहाबाद विश्वविद्यालय भी उस योगदान का प्रतिफल था। आजादी की लड़ाई में किसी विश्वविद्यालय से जुलूस लेकर जाते हुए एक लड़का, पुलिस की गोली से विश्वविद्यालय से निकलते ही मारा गया था वह माननीय अर्जुन सिंह जी के प्रदेश के रीवां का लड़का लाल पदमधर शहीद हुआ था। उन लड़कों के सपने थे कि मुल्क आजाद होगा तो विश्वविद्यालय तरक्की करेगा उपसभापति